Jhn

Chapter 18

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Ταῦτα	εἰπὼν,	Ἰησοῦς	ἐξῆλθεν	σὺν	τοῖς	μαθηταῖς	αὐτοῦ	πέραν	τοῦ
ये-बातें	कहकर	यीशु	निकला	साथ	उसके	चेलों	उसके	पार	के
G3778	G3004	G2424	G1831	G4862	G3588	G3101	G0846	G4008	G3588

χειμάρρου	τοῦ	Κέδρων,	ὅπου	ἦν	κῆπος,	εἰς	ὃν	εἰσῆλθεν	αὐτὸς,	καὶ
नाले	के	किद्रोन	जहाँ	था	बगीचा	में	जिस	प्रवेश–किया	वह–स्वयं	और
G5493	G3588	G2748	G3699	G1510	G2779	G1519	G3739	G1525	G0846	G2532

οἱ	μαθηταὶ	αὐτοῦ.
वे	चेले	उसके
G3588	G3101	G0846

> यीशु यह कहकर अपने शिष्यों के साथ छोटी नदी किद्रोन के पार एक बगीचे में चला गया।

2

ᾔδει	δὲ	καὶ	Ἰούδας,	ὁ	παραδιδοὺς	αὐτὸν,	τὸν	τόπον,	ὅτι	πολλάκις
जानता–था	परन्तु	भी	यहूदा	वह	पकड़वानेवाला	उसे	को	स्थान	क्योंकि	बहुत–बार
G1492	G1161	G2532	G2455	G3588	G3860	G0846	G3588	G5117	G3754	G4178

συνήχθη	Ἰησοῦς	ἐκεῖ,	μετὰ	τῶν	μαθητῶν	αὐτοῦ.
इकट्ठा–होता–था	यीशु	वहाँ	साथ	उसके	चेलों	उसके
G4863	G2424	G1563	G3326	G3588	G3101	G0846

> धोखे से उसे पकड़वाने वाला यहूदा भी उस जगह को जानता था क्योंकि यीशु वहाँ प्रायः अपने शिष्यों से मिला करता था।

3

ὁ	οὖν	Ἰούδας,	λαβὼν	τὴν	σπεῖραν,	καὶ	ἐκ	τῶν	ἀρχιερέων	καὶ	ἐκ
वह	तब	यहूदा	लेकर	को	पलटन	और	से	उनके	महायाजकों	और	से
G3588	G3767	G2455	G2983	G3588	G4686	G2532	G1537	G3588	G0749	G2532	G1537

τῶν	Φαρισαίων	ὑπηρέτας,	ἔρχεται	ἐκεῖ	μετὰ	φανῶν,	καὶ	λαμπάδων,	καὶ
उनके	फरीसियों	सेवक	आता–है	वहाँ	साथ	मशाल	और	दीपक	और
G3588	G5330	G5257	G2064	G1563	G3326	G5322	G2532	G2985	G2532

ὅπλων.
हथियार
G3696

> इसलिये यहूदा रोमी सिपाहियों की एक टुकड़ी और महायाजकों और फरीसियों के भेजे लोगों और मन्दिर के पहरेदारों के साथ मशालें दीपक और हथियार लिये वहाँ आ पहुँचा।

4

Ἰησοῦς	οὖν	εἰδὼς	πάντα	τὰ	ἐρχόμενα	ἐπ’	αὐτὸν,	ἐξῆλθεν	καὶ	λέγει
यीशु	तब	जानते-हुए	सब-कुछ	जो	आनेवाली–बातें	पर	उस	निकला	और	कहता–है
G2424	G3767	G1492	G3956	G3588	G2064	G1909	G0846	G1831	G2532	G3004

αὐτοῖς,	Τίνα	ζητεῖτε?
उनसे	किसे	तुम–ढूँढते-हो
G0846	G5101	G2212

> फिर यीशु जो सब कुछ जानता था कि उसके साथ क्या होने जा रहा है, आगे आया और उनसे बोला, “तुम किसे खोज रहे हो?”

5	ἀπεκρίθησαν	αὐτῷ,	Ἰησοῦν	τὸν	Ναζωραῖον.	λέγει	αὐτοῖς,	Ἐγώ	εἰμι.
	उन्होंने-उत्तर-दिया	उसे	यीशु	को	नासरी	वह-कहता-है	उनसे	मैं	हूँ
	G0611	G0846	G2424	G3588	G3480	G3004	G0846	G1473	G1510

εἱστήκει	δὲ	καὶ	Ἰούδας,	ὁ	παραδιδοὺς	αὐτὸν,	μετ’	αὐτῶν.
खड़ा-था	परन्तु	भी	यहूदा	वह	पकड़वानेवाला	उसे	साथ	उनके
G2476	G1161	G2532	G2455	G3588	G3860	G0846	G3326	G0846

> उन्होंने उसे उत्तर दिया, “यीशु नासरी को।” यीशु ने उनसे कहा, “वह मैं हूँ।” (तब उसे धोखे से पकड़वाने वाला यहूदा भी वहाँ खड़ा था।)

6	ὡς	οὖν	εἶπεν	αὐτοῖς,	Ἐγώ	εἰμι,	ἀπῆλθον	εἰς	τὰ	ὀπίσω,	καὶ	ἔπεσαν
	जब	तब	उसने-कहा	उनसे	मैं	हूँ	वे-गए	को	वे	पीछे	और	वे-गिरे
	G5613	G3767	G3004	G0846	G1473	G1510	G0565	G1519	G3588	G3694	G2532	G4098

χαμαί.
ज़मीन-पर
G5476

> जब उसने उनसे कहा, “वह मैं हूँ,” तो वे पीछे हटे और धरती पर गिर पड़े।

7	πάλιν	οὖν	ἐπηρώτησεν	αὐτούς,	Τίνα	ζητεῖτε?	οἱ	δὲ	εἶπαν,	Ἰησοῦν
	फिर	तब	उसने-पूछा	उनसे	किसे	तुम-ढूँढते-हो	वे	परन्तु	उन्होंने-कहा	यीशु
	G3825	G3767	G1905	G0846	G5101	G2212	G3588	G1161	G3004	G2424

τὸν	Ναζωραῖον.
को	नासरी
G3588	G3480

> इस पर एक बार फिर यीशु ने उनसे पूछा, “तुम किसे खोज रहे हो?” वे बोले, “यीशु नासरी को।”

8	ἀπεκρίθη	Ἰησοῦς,	Εἶπον	ὑμῖν	ὅτι	ἐγώ	εἰμι.	εἰ	οὖν	ἐμὲ	ζητεῖτε,
	उत्तर-दिया	यीशु-ने	मैंने-कहा	तुमसे	कि	मैं	हूँ	यदि	तब	मुझे	तुम-ढूँढते-हो
	G0611	G2424	G3004	G4771	G3754	G1473	G1510	G1487	G3767	G1473	G2212

ἄφετε	τούτους	ὑπάγειν;
जाने-दो	इन्हें	जाना
G0863	G3778	G5217

> यीशु ने उत्तर दिया, “मैंने तुमसे कहा, वह मैं ही हूँ। यदि तुम मुझे खोज रहे हो तो इन लोगों को जाने दो।”

9	ἵνα	πληρωθῇ	ὁ	λόγος	ὃν	εἶπεν	ὅτι,	Οὓς	δέδωκάς	μοι,	οὐκ
	ताकि	पूरा-हो	वह	वचन	जो	उसने-कहा	कि	जिन्हें	तूने-दिया-है	मुझे	नहीं
	G2443	G4137	G3588	G3056	G3739	G3004	G3754	G3739	G1325	G1473	G3756

ἀπώλεσα	ἐξ	αὐτῶν	οὐδένα.
मैंने-खोया	में-से	उन	कोई-नहीं
G0622	G1537	G0846	G3762

> यह उसने इसलिये कहा कि जो उसने कहा था, वह सच हो, “मैंने उनमें से किसी को भी नहीं खोया, जिन्हें तूने मुझे सौंपा था।”

10	Σίμων	οὖν	Πέτρος,	ἔχων	μάχαιραν,	εἵλκυσεν	αὐτὴν,	καὶ	ἔπαισεν	τὸν
	शमौन	तब	पतरस	रखता-हुआ	तलवार	खींचा	उसे	और	मारा	को
	G4613	G3767	G4074	G2192	G3162	G1670	G0846	G2532	G3817	G3588

τοῦ	ἀρχιερέως	δοῦλον,	καὶ	ἀπέκοψεν	αὐτοῦ	τὸ	ὠτάριον	τὸ	δεξιόν.	ἦν
के	महायाजक	दास	और	काट-दिया	उसका	वह	कान	वह	दाहिना	था
G3588	G0749	G1401	G2532	G0609	G0846	G3588	G5621	G3588	G1188	G1510

δὲ	ὄνομα	τῷ	δούλῳ,	Μάλχος.
परन्तु	नाम	के	दास	मल्खुस
G1161	G3686	G3588	G1401	G3124

> फिर शमौन पतरस ने, जिसके पास तलवार थी, अपनी तलवार निकाली और महायाजक के दास का दाहिना कान काटते हुए उसे घायल कर दिया। (उस दास का नाम मलखुस था।)

11	εἶπεν	οὖν	ὁ	Ἰησοῦς	τῷ	Πέτρῳ,	Βάλε	τὴν	μάχαιραν	εἰς	τὴν	θήκην;
	कहा	तब	वह	यीशु-ने	को	पतरस	डाल	को	तलवार	में	की	म्यान
	G3004	G3767	G3588	G2424	G3588	G4074	G0906	G3588	G3162	G1519	G3588	G2336

τὸ	ποτήριον	ὃ	δέδωκέν	μοι	ὁ	Πατήρ,	οὐ	μὴ	πίω	αὐτό?
वह	कटोरा	जो	दिया-है	मुझे	वह	पिता-ने	नहीं	कभी-नहीं	मैं-पीऊँगा	उसे
G3588	G4221	G3739	G1325	G1473	G3588	G3962	G3756	G3361	G4095	G0846

> फिर यीशु ने पतरस से कहा, “अपनी तलवार म्यान में रख! क्या मैं यातना का वह प्याला न पीऊँ जो परम पिता ने मुझे दिया है?”

12	Ἡ	οὖν	σπεῖρα,	καὶ	ὁ	χιλίαρχος,	καὶ	οἱ	ὑπηρέται	τῶν	Ἰουδαίων,
	वह	तब	पलटन	और	वह	सहस्रपति	और	वे	सेवक	के	यहूदियों
	G3588	G3767	G4686	G2532	G3588	G5506	G2532	G3588	G5257	G3588	G2453

συνέλαβον	τὸν	Ἰησοῦν,	καὶ	ἔδησαν	αὐτὸν;
पकड़ा	को	यीशु	और	बाँधा	उसे
G4815	G3588	G2424	G2532	G1210	G0846

> फिर रोमी टुकड़ी के सिपाहियों और उनके सूबेदारों तथा यहूदियों के मन्दिर के पहरेदारों ने यीशु को बंदी बना लिया।

13	καὶ	ἤγαγον	πρὸς	Ἄνναν	πρῶτον;	ἦν	γὰρ	πενθερὸς	τοῦ	Καϊάφα,	ὃς
	और	ले-गए	पास	हन्ना	पहले	था	क्योंकि	ससुर	के	कैफ़ा	जो
	G2532	G0071	G4314	G0452	G4412	G1510	G1063	G3995	G3588	G2533	G3739

ἦν	ἀρχιερεὺς	τοῦ	ἐνιαυτοῦ	ἐκείνου.
था	महायाजक	उस	वर्ष	उस
G1510	G0749	G3588	G1763	G1565

> और उसे बाँध कर पहले हन्ना के पास ले गये जो उस साल के महायाजक कैफ़ा का ससुर था।

14	ἦν	δὲ	Καϊάφας	ὁ	συμβουλεύσας	τοῖς	Ἰουδαίοις,	ὅτι	συμφέρει	ἕνα
	था	परन्तु	कैफ़ा	वही	जिसने-सलाह-दी-थी	को	यहूदियों	कि	अच्छा-है	एक
	G1510	G1161	G2533	G3588	G4823	G3588	G2453	G3754	G4851	G1520

ἄνθρωπον	ἀποθανεῖν	ὑπὲρ	τοῦ	λαοῦ.
मनुष्य	मरना	लिए	के	लोगों
G0444	G0599	G5228	G3588	G2992

> यह कैफ़ा वही व्यक्ति था जिसने यहूदी नेताओं को सलाह दी थी कि सब लोगों के लिए एक का मरना अच्छा है।

15	Ἠκολούθει	δὲ	τῷ	Ἰησοῦ.	Σίμων	Πέτρος	καὶ	ἄλλος	μαθητής,	ὁ	δὲ
	पीछे-चलता-था	परन्तु	के	यीशु	शमओन	पतरस	और	दूसरा	चेला	वह	परन्तु
	G0190	G1161	G3588	G2424	G4613	G4074	G2532	G0243	G3101	G3588	G1161

μαθητὴς	ἐκεῖνος	ἦν	γνωστὸς	τῷ	ἀρχιερεῖ,	καὶ	συνεισῆλθεν	τῷ	Ἰησοῦ
चेला	वह	था	जाना-पहचाना	का	महायाजक	और	साथ-प्रवेश-किया	के	यीशु
G3101	G1565	G1510	G1110	G3588	G0749	G2532	G4897	G3588	G2424

εἰς	τὴν	αὐλὴν	τοῦ	ἀρχιερέως.
में	की	आँगन	के	महायाजक
G1519	G3588	G0833	G3588	G0749

> शमौन पतरस तथा एक और शिष्य यीशु के पीछे हो लिये। महायाजक इस शिष्य को अच्छी तरह जानता था इसलिए वह यीशु के साथ महायाजक के आँगन में घुस गया।

16

ὁ	δὲ	Πέτρος	εἱστήκει	πρὸς	τῇ	θύρᾳ	ἔξω.	ἐξῆλθεν	οὖν	ὁ	μαθητὴς
वह	परन्तु	पतरस	खड़ा-था	पास	की	द्वार	बाहर	निकला	तब	वह	चेला
G3588	G1161	G4074	G2476	G4314	G3588	G2374	G1854	G1831	G3767	G3588	G3101

ὁ	ἄλλος,	ὁ	γνωστὸς	τοῦ	ἀρχιερέως,	καὶ	εἶπεν	τῇ	θυρωρῷ,	καὶ
वह	दूसरा	वह	जाना-पहचाना	का	महायाजक	और	कहा	को	द्वारपालिन	और
G3588	G0243	G3588	G1110	G3588	G0749	G2532	G3004	G3588	G2377	G2532

εἰσήγαγεν	τὸν	Πέτρον.
अन्दर-लाया	को	पतरस
G1521	G3588	G4074

> किन्तु पतरस बाहर द्वार के पास ही ठहर गया। फिर महायाजक की जान पहचान वाला दूसरा शिष्य बाहर गया और द्वारपालिन से कह कर पतरस को भीतर ले आया।

17

λέγει	οὖν	τῷ	Πέτρῳ	ἡ	παιδίσκη,	ἡ	θυρωρός,	Μὴ	καὶ	σὺ,	ἐκ
कहती-है	तब	को	पतरस	वह	दासी	वह	द्वारपालिन	क्या	भी	तू	से
G3004	G3767	G3588	G4074	G3588	G3814	G3588	G2377	G3361	G2532	G4771	G1537

τῶν	μαθητῶν	εἶ	τοῦ	ἀνθρώπου	τούτου?	λέγει	ἐκεῖνος,	Οὐκ	εἰμί.
उसके	चेलों	है	के	मनुष्य	इस	कहता-है	वह	नहीं	मैं-हूँ
G3588	G3101	G1510	G3588	G0444	G3778	G3004	G1565	G3756	G1510

> इस पर उस दासी ने जो द्वारपालिन थी कहा, “हो सकता है कि तू भी यीशु का ही शिष्य है?” पतरस ने उत्तर दिया, “नहीं, मैं नहीं हूँ।”

18

εἱστήκεισαν	δὲ	οἱ	δοῦλοι	καὶ	οἱ	ὑπηρέται,	ἀνθρακιὰν	πεποιηκότες --
खड़े-थे	परन्तु	वे	दास	और	वे	सेवक	कोयले	बनाकर
G2476	G1161	G3588	G1401	G2532	G3588	G5257	G0439	G4160

ὅτι	ψῦχος	ἦν --	καὶ	ἐθερμαίνοντο.	ἦν	δὲ	καὶ	ὁ	Πέτρος	μετ’	αὐτῶν
क्योंकि	जाड़ा	था	और	वे-ताप-रहे-थे	था	परन्तु	भी	वह	पतरस	साथ	उनके
G3754	G5592	G1510	G2532	G2328	G1510	G1161	G2532	G3588	G4074	G3326	G0846

ἑστὼς,	καὶ	θερμαινόμενος.
खड़ा-हुआ	और	ताप-रहा-था
G2476	G2532	G2328

> क्योंकि ठंड बहुत थी दास और मन्दिर के पहरेदार आग जलाकर वहाँ खड़े ताप रहे थे। पतरस भी उनके साथ वहीं खड़ा था और ताप रहा था।

19

Ὁ	οὖν	ἀρχιερεὺς	ἠρώτησεν	τὸν	Ἰησοῦν	περὶ	τῶν	μαθητῶν	αὐτοῦ,	καὶ
वह	तब	महायाजक-ने	पूछा	को	यीशु	विषय-में	उसके	चेलों	उसके	और
G3588	G3767	G0749	G2065	G3588	G2424	G4012	G3588	G3101	G0846	G2532

περὶ	τῆς	διδαχῆς	αὐτοῦ.
विषय-में	की	शिक्षा	उसकी
G4012	G3588	G1322	G0846

> फिर महायाजक ने यीशु से उसके शिष्यों और उसकी शिक्षा के बारे में पूछा।

20

ἀπεκρίθη	αὐτῷ	Ἰησοῦς,	Ἐγὼ	παρρησίᾳ	λελάληκα	τῷ	κόσμῳ;	ἐγὼ	πάντοτε
उत्तर-दिया	उसे	यीशु-ने	मैंने	स्पष्टता-से	बोला-है	को	संसार	मैंने	हमेशा
G0611	G0846	G2424	G1473	G3954	G2980	G3588	G2889	G1473	G3842

ἐδίδαξα	ἐν	συναγωγῇ	καὶ	ἐν	τῷ	ἱερῷ,	ὅπου	πάντες	οἱ	Ἰουδαῖοι
सिखाया	में	आराधनालय	और	में	के	मन्दिर	जहाँ	सब	वे	यहूदी
G1321	G1722	G4864	G2532	G1722	G3588	G2411	G3699	G3956	G3588	G2453

συνέρχονται,	καὶ	ἐν	κρυπτῷ	ἐλάλησα	οὐδέν.
इकट्ठे-होते-हैं	और	में	गुप्त-में	मैंने-बोला	कुछ-नहीं
G4905	G2532	G1722	G2927	G2980	G3762

> यीशु ने उसे उत्तर दिया, “मैंने सदा लोगों के बीच हर किसी से खुल कर बात की है। सदा मैंने आराधनालयों में और मन्दिर में, जहाँ सभी यहूदी इकट्ठे होते हैं, उपदेश दिया है। मैंने कभी भी छिपा कर कुछ नहीं कहा है।

21

τί	με	ἐρωτᾷς?	ἐρώτησον	τοὺς	ἀκηκοότας	τί	ἐλάλησα	αὐτοῖς;	ἴδε,
क्यों	मुझसे	तू-पूछता-है	पूछ	उनसे	सुननेवालों	क्या	मैंने-बोला	उनसे	देखो
G5101	G1473	G2065	G2065	G3588	G0191	G5101	G2980	G0846	G3708

οὗτοι	οἴδασιν	ἃ	εἶπον	ἐγώ.
ये	जानते-हैं	जो	मैंने-कहा	मैंने
G3778	G1492	G3739	G3004	G1473

> फिर तू मुझ से क्यों पूछ रहा है? मैंने क्या कहा है उनसे पूछ जिन्होंने मुझे सुना है। मैंने क्या कहा, निश्चय ही वे जानते हैं।”

22

ταῦτα	δὲ	αὐτοῦ	εἰπόντος,	εἷς	παρεστηκὼς	τῶν	ὑπηρετῶν	ἔδωκεν	ῥάπισμα
ये-बातें	परन्तु	उसने	कहने-पर	एक	खड़ा-हुआ	उनमें-से	सेवकों	मारा	थप्पड़
G3778	G1161	G0846	G3004	G1520	G3936	G3588	G5257	G1325	G4475

τῷ	Ἰησοῦ,	εἰπών,	Οὕτως	ἀποκρίνῃ	τῷ	ἀρχιερεῖ?
को	यीशु	यह-कहकर	ऐसे	तू-उत्तर-देता-है	को	महायाजक
G3588	G2424	G3004	G3779	G0611	G3588	G0749

> जब उसने यह कहा तो मन्दिर के एक पहरेदार ने, जो वहीं खड़ा था, यीशु को एक थप्पड़ मारा और बोला, “तूने महायाजक को ऐसे उत्तर देने की हिम्मत कैसे की?”

23

ἀπεκρίθη	αὐτῷ	Ἰησοῦς,	Εἰ	κακῶς	ἐλάλησα,	μαρτύρησον	περὶ	τοῦ	κακοῦ;
उत्तर-दिया	उसे	यीशु-ने	यदि	बुराई-से	मैंने-बोला	गवाही-दे	विषय-में	की	बुराई
G0611	G0846	G2424	G1487	G2560	G2980	G3140	G4012	G3588	G2556

εἰ	δὲ	καλῶς,	τί	με	δέρεις?
यदि	परन्तु	अच्छाई-से	क्यों	मुझे	तू-मारता-है
G1487	G1161	G2573	G5101	G1473	G1194

> यीशु ने उसे उत्तर दिया, “यदि मैंने कुछ बुरा कहा है तो प्रमाणित कर और बता कि उसमें बुरा क्या था, और यदि मैंने ठीक कहा है तो तू मुझे क्यों मारता है?”

24

ἀπέστειλεν	οὖν	αὐτὸν	ὁ	Ἅννας,	δεδεμένον,	πρὸς	Καϊάφαν	τὸν	ἀρχιερέα.
भेजा	तब	उसे	वह	हन्ना-ने	बँधा-हुआ	पास	कैफ़ा	वह	महायाजक
G0649	G3767	G0846	G3588	G0452	G1210	G4314	G2533	G3588	G0749

> फिर हन्ना ने उसे बंधे हुए ही महायाजक कैफा के पास भेज दिया।

25

Ἦν	δὲ	Σίμων	Πέτρος	ἑστὼς	καὶ	θερμαινόμενος.	εἶπον	οὖν	αὐτῷ,
था	परन्तु	शमओन	पतरस	खड़ा-हुआ	और	ताप-रहा-था	उन्होंने-कहा	तब	उसे
G1510	G1161	G4613	G4074	G2476	G2532	G2328	G3004	G3767	G0846

Μὴ	καὶ	σὺ	ἐκ	τῶν	μαθητῶν	αὐτοῦ	εἶ?	ἠρνήσατο	ἐκεῖνος,	καὶ	εἶπεν,
क्या	भी	तू	से	उसके	चेलों	उसके	है	इनकार-किया	उसने	और	कहा
G3361	G2532	G4771	G1537	G3588	G3101	G0846	G1510	G0720	G1565	G2532	G3004

Οὐκ	εἰμί.
नहीं	मैं-हूँ
G3756	G1510

> जब शमौन पतरस खड़ा हुआ आग ताप रहा था तो उससे पूछा गया, “क्या यह सम्भव है कि तू भी उसका एक शिष्य है?” उसने इससे इन्कार किया। वह बोला, “नहीं मैं नहीं हूँ।”

26 λέγει εἷς ἐκ τῶν δούλων τοῦ ἀρχιερέως, συγγενὴς ὢν οὗ
कहता-है एक में-से उनके दासों के महायाजक रिश्तेदार होते-हुए जिसका
G3004 G1520 G1537 G3588 G1401 G3588 G0749 G4773 G1510 G3739

ἀπέκοψεν Πέτρος τὸ ὠτίον, Οὐκ ἐγώ σε εἶδον ἐν τῷ κήπῳ μετ’
काट-दिया-था पतरस-ने वह कान क्या मैंने तुझे देखा में के बगीचे साथ
G0609 G4074 G3588 G5621 G3756 G1473 G4771 G3708 G1722 G3588 G2779 G3326

αὐτοῦ?
उसके
G0846

> महायाजक के एक सेवक ने जो उस व्यक्ति का सम्बन्धी था जिसका पतरस ने कान काटा था, पूछा, “बता क्या मैंने तुझे उसके साथ बगीचे में नहीं देखा था?”

27 πάλιν οὖν ἠρνήσατο Πέτρος, καὶ εὐθέως ἀλέκτωρ ἐφώνησεν.
फिर तब इनकार-किया पतरस-ने और तुरन्त मुर्गे-ने बाँग-दी
G3825 G3767 G0720 G4074 G2532 G2112 G0220 G5455

> इस पर पतरस ने एक बार फिर इन्कार किया। और तभी मुर्गे ने बाँग दी।

28 Ἄγουσιν οὖν τὸν Ἰησοῦν ἀπὸ τοῦ Καϊάφα εἰς τὸ πραιτώριον. ἦν
ले-जाते-हैं तब को यीशु से के कैफ़ा में को प्राइटोरियम था
G0071 G3767 G3588 G2424 G0575 G3588 G2533 G1519 G3588 G4232 G1510

δὲ πρωΐ. καὶ αὐτοὶ οὐκ εἰσῆλθον εἰς τὸ πραιτώριον, ἵνα μὴ
परन्तु सुबह और वे-स्वयं नहीं प्रवेश-किए में को प्राइटोरियम ताकि नहीं
G1161 G4404 G2532 G0846 G3756 G1525 G1519 G3588 G4232 G2443 G3361

μιανθῶσιν, ἀλλὰ φάγωσιν τὸ πάσχα.
वे-अशुद्ध-हों परन्तु वे-खाएँ को फसह
G3392 G0235 G5315 G3588 G3957

> फिर वे यीशु को कैफ़ा के घर से रोमी राजभवन में ले गये। सुबह का समय था। यहूदी लोग राजभवन में नहीं जाना चाहते थे कि कहीं अपवित्र न हो जायें और फ़सह का भोजन न खा सकें।

29 ἐξῆλθεν οὖν ὁ Πιλᾶτος ἔξω πρὸς αὐτοὺς, καὶ φησίν, Τίνα κατηγορίαν
निकला तब वह पिलातुस बाहर पास उनके और कहता-है क्या आरोप
G1831 G3767 G3588 G4091 G1854 G4314 G0846 G2532 G5346 G5101 G2724

φέρετε ‹κατὰ› τοῦ ἀνθρώπου τούτου?
तुम-लाते-हो विरुद्ध के मनुष्य इस
G5342 G2596 G3588 G0444 G3778

> तब पिलातुस उनके पास बाहर आया और बोला, “इस व्यक्ति के ऊपर तुम क्या दोष लगाते हो?”

30 ἀπεκρίθησαν καὶ εἶπαν αὐτῷ, Εἰ μὴ ἦν οὗτος κακὸν, ποιῶν οὐκ
उन्होंने-उत्तर-दिया और कहा उसे यदि नहीं था यह बुरा करनेवाला नहीं
G0611 G2532 G3004 G0846 G1487 G3361 G1510 G3778 G2556 G4160 G3756

ἄν σοι παρεδώκαμεν αὐτόν.
कदापि तुझे हम-सौंपते उसे
G0302 G4771 G3860 G0846

> उत्तर में उन्होंने उससे कहा, “यदि यह अपराधी न होता तो हम इसे तुम्हें न सौंपते।”

31 εἶπεν οὖν αὐτοῖς ὁ Πιλᾶτος, Λάβετε αὐτὸν ὑμεῖς, καὶ κατὰ τὸν νόμον
कहा तब उनसे वह पिलातुस–ने ले–जाओ उसे तुम और अनुसार के नियम
G3004 G3767 G0846 G3588 G4091 G2983 G0846 G4771 G2532 G2596 G3588 G3551

ὑμῶν, κρίνατε αὐτόν. εἶπον αὐτῷ οἱ Ἰουδαῖοι, Ἡμῖν οὐκ ἔξεστιν ἀποκτεῖναι
तुम्हारे न्याय–करो उसे कहा उसे वे यहूदियों–ने हमें नहीं वैध–है मारना
G4771 G2919 G0846 G3004 G0846 G3588 G2453 G1473 G3756 G1832 G0615

οὐδένα;
किसी–को
G3762

> इस पर पिलातुस ने उनसे कहा, “इसे तुम ले जाओ और अपनी व्यवस्था के विधान के अनुसार इसका न्याय करो।” यहूदियों ने उससे कहा, “हमें किसी को प्राणदण्ड देने का अधिकार नहीं है।”

32 ἵνα ὁ λόγος τοῦ Ἰησοῦ πληρωθῇ, ὃν εἶπεν, σημαίνων ποίῳ θανάτῳ
ताकि वह वचन का यीशु पूरा–हो जो उसने–कहा संकेत–देते–हुए किस मृत्यु
G2443 G3588 G3056 G3588 G2424 G4137 G3739 G3004 G4591 G4169 G2288

ἤμελλεν ἀποθνήσκειν.
वह–मरनेवाला–था मरना
G3195 G0599

> (यह इसलिए हुआ कि यीशु ने जो बात उसे कैसी मृत्यु मिलेगी, यह बताते हुए कही थी, सत्य सिद्ध हो।)

33 Εἰσῆλθεν οὖν πάλιν εἰς τὸ πραιτώριον ὁ Πιλᾶτος, καὶ ἐφώνησεν τὸν
प्रवेश–किया तब फिर में को प्राइटोरियम वह पिलातुस–ने और बुलाया को
G1525 G3767 G3825 G1519 G3588 G4232 G3588 G4091 G2532 G5455 G3588

Ἰησοῦν, καὶ εἶπεν αὐτῷ, Σὺ εἶ ὁ Βασιλεὺς τῶν Ἰουδαίων?
यीशु और कहा उससे क्या–तू है वह राजा के यहूदियों
G2424 G2532 G3004 G0846 G4771 G1510 G3588 G0935 G3588 G2453

> तब पिलातुस महल में वापस चला गया। और यीशु को बुला कर उससे पूछा, “क्या तू यहूदियों का राजा है?”

34 ἀπεκρίθη Ἰησοῦς, Ἀπὸ σεαυτοῦ σὺ τοῦτο λέγεις, ἢ ἄλλοι εἶπόν σοι
उत्तर–दिया यीशु–ने से अपने–आप क्या–तू यह कहता–है या दूसरों–ने कहा तुझे
G0611 G2424 G0575 G4572 G4771 G3778 G3004 G2228 G0243 G3004 G4771

περὶ ἐμοῦ?
विषय–में मेरे
G4012 G1473

> यीशु ने उत्तर दिया, “यह बात क्या तू अपने आप कह रहा है या मेरे बारे में यह औरों ने तुझसे कही है?”

35 ἀπεκρίθη ὁ Πιλᾶτος, Μήτι ἐγὼ Ἰουδαῖός εἰμι? τὸ ἔθνος τὸ σὸν, καὶ
उत्तर–दिया वह पिलातुस–ने क्या मैं यहूदी हूँ वह जाति वह तेरी और
G0611 G3588 G4091 G3385 G1473 G2453 G1510 G3588 G1484 G3588 G4674 G2532

οἱ ἀρχιερεῖς, παρέδωκάν σε ἐμοί. τί ἐποίησας?
वे महायाजकों सौंपा–है तुझे मुझे क्या तूने–किया
G3588 G0749 G3860 G4771 G1473 G5101 G4160

> पिलातुस ने उत्तर दिया, “क्या तू सोचता है कि मैं यहूदी हूँ? तेरे लोगों और महायाजकों ने तुझे मेरे हवाले किया है। तूने क्या किया है?”

36

ἀπεκρίθη	Ἰησοῦς,	Ἡ	βασιλεία	ἡ	ἐμὴ,	οὐκ	ἔστιν	ἐκ	τοῦ	κόσμου
उत्तर-दिया	यीशु-ने	वह	राज्य	वह	मेरा	नहीं	है	से	के	संसार
G0611	G2424	G3588	G0932	G3588	G1699	G3756	G1510	G1537	G3588	G2889

τούτου;	εἰ	ἐκ	τοῦ	κόσμου	τούτου,	ἦν	ἡ	βασιλεία	ἡ	ἐμή,	οἱ
इस	यदि	से	के	संसार	इस	होता	वह	राज्य	वह	मेरा	वे
G3778	G1487	G1537	G3588	G2889	G3778	G1510	G3588	G0932	G3588	G1699	G3588

ὑπηρέται	ἄν	«οἱ	ἐμοὶ	ἠγωνίζοντο»	ἵνα	μὴ	παραδοθῶ	τοῖς	Ἰουδαίοις.
सेवक	कदापि	वे	मेरे	लड़ते	ताकि	नहीं	मैं-सौंपा-जाऊँ	को	यहूदियों
G5257	G0302	G3588	G1699	G0075	G2443	G3361	G3860	G3588	G2453

νῦν	δὲ	ἡ	βασιλεία	ἡ	ἐμὴ	οὐκ	ἔστιν	ἐντεῦθεν.
अब	परन्तु	वह	राज्य	वह	मेरा	नहीं	है	यहाँ-से
G3568	G1161	G3588	G0932	G3588	G1699	G3756	G1510	G1782

> यीशु ने उत्तर दिया, “मेरा राज्य इस जगत का नहीं है। यदि मेरा राज्य इस जगत का होता तो मेरी प्रजा मुझे यहूदियों को सौंपे जाने से बचाने के लिए युद्ध करती। किन्तु वास्तव में मेरा राज्य यहाँ का नहीं है।”

37

εἶπεν	οὖν	αὐτῷ	ὁ	Πιλᾶτος,	Οὐκοῦν	βασιλεὺς	εἶ	σύ?	ἀπεκρίθη	ὁ
कहा	तब	उससे	वह	पिलातुस-ने	तो	राजा	है	तू	उत्तर-दिया	वह
G3004	G3767	G0846	G3588	G4091	G3766	G0935	G1510	G4771	G0611	G3588

Ἰησοῦς,	Σὺ	λέγεις	ὅτι	βασιλεύς	εἰμι	ἐγὼ.	εἰς	τοῦτο	γεγέννημαι,	καὶ
यीशु-ने	तू	कहता-है	कि	राजा	हूँ	मैं	लिए	इस	मैं-जन्मा-हूँ	और
G2424	G4771	G3004	G3754	G0935	G1510	G1473	G1519	G3778	G1080	G2532

εἰς	τοῦτο	ἐλήλυθα	εἰς	τὸν	κόσμον,	ἵνα	μαρτυρήσω	τῇ	ἀληθείᾳ.	πᾶς
लिए	इस	मैं-आया-हूँ	में	को	संसार	ताकि	मैं-गवाही-दूँ	को	सच्चाई	हर-कोई
G1519	G3778	G2064	G1519	G3588	G2889	G2443	G3140	G3588	G0225	G3956

ὁ	ὢν	ἐκ	τῆς	ἀληθείας,	ἀκούει	μου	τῆς	φωνῆς.
जो	होता-है	से	की	सच्चाई	सुनता-है	मेरी	की	आवाज़
G3588	G1510	G1537	G3588	G0225	G0191	G1473	G3588	G5456

> इस पर पिलातुस ने उससे कहा, “तो तू राजा है?” यीशु ने उत्तर दिया, “तू कहता है कि मैं राजा हूँ। मैं इसीलिए पैदा हुआ हूँ और इसी प्रयोजन से मैं इस संसार में आया हूँ कि सत्य की साक्षी दूँ। हर वह व्यक्ति जो सत्य के पक्ष में है, मेरा वचन सुनता है।”

38

λέγει	αὐτῷ	ὁ	Πιλᾶτος,	Τί	ἐστιν	ἀλήθεια?	Καὶ	τοῦτο	εἰπὼν,	πάλιν
कहता-है	उससे	वह	पिलातुस	क्या	है	सच्चाई	और	यह	कहकर	फिर
G3004	G0846	G3588	G4091	G5101	G1510	G0225	G2532	G3778	G3004	G3825

ἐξῆλθεν	πρὸς	τοὺς	Ἰουδαίους,	καὶ	λέγει	αὐτοῖς,	Ἐγὼ	οὐδεμίαν	εὑρίσκω	ἐν
निकला	पास	उनके	यहूदियों	और	कहता-है	उनसे	मैं	कोई-नहीं	पाता-हूँ	में
G1831	G4314	G3588	G2453	G2532	G3004	G0846	G1473	G3762	G2147	G1722

αὐτῷ	αἰτίαν.
उसमें	दोष
G0846	G0156

> पिलातुस ने उससे पूछा, “सत्य क्या है?” ऐसा कह कर वह फिर यहूदियों के पास बाहर गया और उनसे बोला, “मैं उसमें कोई खोट नहीं पा सका हूँ

39

ἔστιν	δὲ	συνήθεια	ὑμῖν,	ἵνα	ἕνα	ἀπολύσω	ὑμῖν,	ἐν	τῷ	πάσχα;
है	परन्तु	रीति	तुम्हें	कि	एक	मैं-छोड़ूँ	तुम्हें	में	के	फसह
G1510	G1161	G4914	G4771	G2443	G1520	G0630	G4771	G1722	G3588	G3957

βούλεσθε	οὖν	ἀπολύσω	ὑμῖν	τὸν	Βασιλέα	τῶν	Ἰουδαίων?
तुम-चाहते-हो	तब	मैं-छोड़ूँ	तुम्हें	को	राजा	के	यहूदियों
G1014	G3767	G0630	G4771	G3588	G0935	G3588	G2453

> और तुम्हारी यह रीति है कि फ़सह पर्व के अवसर पर मैं तुम्हारे लिए किसी एक को मुक्त कर दूँ। तो क्या तुम चाहते हो कि मैं इस ‘यहूदियों के राजा’ को तुम्हारे लिये छोड़ दूँ?”

40	ἐκραύγασαν	οὖν	πάλιν	λέγοντες,	Μὴ	τοῦτον,	ἀλλὰ	τὸν	Βαραββᾶν!	ἦν
	चिल्लाए	तब	फिर	यह–कहते–हुए	नहीं	इसे	परन्तु	को	बराब्बास	था
	G2905	G3767	G3825	G3004	G3361	G3778	G0235	G3588	G0912	G1510
	δὲ	ὁ	Βαραββᾶς	λῃστής.						
	परन्तु	वह	बराब्बास	डाकू						
	G1161	G3588	G0912	G3027						

> एक बार वे फिर चिल्लाये, “इसे नहीं, बल्कि बरअब्बा को छोड़ दो।” (बरअब्बा एक बाग़ी था।)